सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-237
12/05/2018

'फ्रोजन सीमेन बैंक स्टेशन' की स्थापना से पशुपालन के क्षेत्र में बहुत बड़ा लाभ होगा :– मुख्यमंत्री

पटना, 12 मई 2018 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज पूर्णिया में मरंगा स्थित बकरी पालन सह प्रजनन केंद्र में फ्रोजन सीमेन बैंक स्टेशन का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे पहले मैं भारत सरकार के कृषि मंत्री श्री राधा मोहन सिंह को इस बात के लिए धन्यवाद देता हूँ कि इस जगह पर उन्होंने फ्रोजन सीमेन बैंक स्टेशन की स्थापना की मंजूरी दी। इसकी स्थापना से पशुपालन के क्षेत्र में बहुत बड़ा लाभ होगा। इसका संचालन एन0डी0डी0बी0 यानि राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के द्वारा होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब मैं केंद्र में कृषि मंत्री था तो उस दौरान इस बोर्ड के कामकाज से भली–भांति वाकिफ हुआ था। मुझे विश्वास है कि बोर्ड इस कार्य को बेहतर ढंग से करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्नत किस्म के सांड एवं भैंसे की खरीद की जाएगी एवं उसके वीर्य का रखरखाव बेहतर ढंग से किया जाएगा जिसके द्वारा गाय एवं भैंस के गर्भधारण में काफी सहूलियत होगी। पहले परंपरागत ढंग से एक सांड के माध्यम से कई गायों का गर्भ धारण कराया जाता था जिससे कई तरह की बीमारियां गायों में फैलती थी। पशु वैज्ञानिकों ने इसके लिए काम किया और अब वीर्य को ठंडा करके सुरक्षित रखने की प्रक्रिया अपनाई गई। इस केंद्र पर यह काम बड़े पैमाने पर होगा जिससे इस क्षेत्र के किसानो को काफी फायदा पहुँचेगा। पशुओं के गर्भधारण के कार्य में सरकारी कर्मचारियों के साथ कई स्वयंसेवक भी लगे हुए हैं उनको भी ट्रेनिंग मिलेगी और इस कार्य में फायदा होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मरंगा के इस केंद्र का क्षेत्रफल 85 एकड़ भूमि में है अतः सारा इंतजाम करने में सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि अच्छी कीमत पर सांढ एवं भैंसे की खरीद के बाद उनके स्वास्थ्य एवं संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस यूनिट की क्षमता 50 लाख बार गर्भधारण की होगी। यह बहुत बड़ी क्षमता है लेकिन जितनी जगह है उसका और विस्तार हो सकता है। इससे ना सिर्फ बिहार को फायदा होगा बल्कि उत्तर पूर्व के राज्यों को भी इसका फायदा मिलेगा। बिहार में अभी 3 लाख स्ट्रॉ की क्षमता है और 74 लाख की जरूरत है। इससे आप समझ सकते हैं कि कितने फ्रोजन सीमेन की जरूरत है। दो–तीन वर्षों में यह फ्रोजेन सिमेन बैंक स्टेशन पूरी क्षमता से कार्य करने लगेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2008 से 2012 के बीच पहला कृषि रोड मैप बनाया गया और अभी तीसरे कृषि रोड मैप पर काम शुरू किया गया है। इसमें अनाज, फल, सब्जी इत्यादि चीजों के उत्पादन में वृद्धि के साथ साथ कृषि के लिए विस्तृत और व्यापक नजरिया अपनाया गया है। हम लोगों का लक्ष्य है कि किसानों की आमदनी बढ़े और हर हिंदुस्तानी की थाल में बिहार का एक व्यंजन पहुंच जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पशुपालन, मुर्गीपालन सब को बढ़ावा देने के लिए काम किया गया है। पशुपालन से किसानों की सबसे ज्यादा आमदनी होती है। बिहार की जी0डी0पी0 में कृषि क्षेत्र की बड़ी हिस्सेदारी है और उसमें भी पशु एवं मत्स्य का बहुत बड़ा योगदान है। यहां 89 प्रतिशत लोग गांव में रहते हैं और 76 प्रतिशत लोगों की आजीविका का साधन कृषि है। पशुपालन के क्षेत्र में विकास से ही कृषि का विकास होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत बड़ी संख्या में जीविका की दीदियां यहां उपस्थित हैं। आप लोगों की मांग पर ही बिहार में शराबबंदी की गई थी, इसको पूर्ण रुप से सफल बनाने के लिए हमने तंत्र विकसित किया है लेकिन इसके साथ–साथ जागरूकता भी बहुत जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने ऐसे परिवारों का आकलन करने को कहा है जिन्हें सरकार के द्वारा मिलने वाली योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता है। उन परिवारों के साथ साथ जो शराब चुलाई के कार्य में लगे हुए थे उनको इस कार्य से अलग होने पर वैकल्पिक रोजगार के लिए सरकार पशु पालन एवं अन्य रोजगार उपलब्ध कराएगी। पूर्णिया जिला प्रशासन के द्वारा ही प्रयोग के तौर पर ऐसे काम में लगे लोगों को गाय उपलब्ध कराया गया था इन सब कामों को करने के लिए जीविका की दीदियॉ सहयोग करेंगी और उनकी पहचान करेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि देसी गायों के दूध के उत्पादन को बढ़ाने में यह फ्रोजेन सीमेन बैंक सेंटर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जब उनका प्रजनन ठीक ढंग से होगा, गर्भधारण नियत समय पर होगा तो इन सब चीजों से उनके दूध देने की क्षमता बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम जैविक खेती को बढ़ावा दे रहे हैं। बिहार के 4 जिलों में यह योजना ट्रायल के तौर पर शुरू की गई है जिसमें प्रति किसान 6 हजार रूपये की सहायता दी जाएगी। हाल ही में 20 से 25 किसानों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराई गई है। सब्जी के साथ साथ अन्य चीजों को बढ़ावा देने के लिए काम किया जा रहा है। गाय के दूध एवं उसके उत्पाद मनुष्य के लिए काफी उपयोगी हैं, साथ ही गाय के गोबर जैविक कृषि के लिए खाद के रुप में काफी महत्वपूर्ण हैं। गोमूत्र का उपयोग कीटनाशक दवा के रूप में हो सकता है। कुछ दिन पहले अमेरिका के नोबेल पुरस्कार विजेता, वैज्ञानिक जोसेफ स्टिलगेट नालंदा के पास एक गांव में जैविक खेती से उत्पन्न फूलगोभी से काफी प्रभावित हुए थे और उन्होंने कहा था कि बिहार का किसान कृषि वैज्ञानिकों से समझदार एवं होशियार है। उन्होंने कहा कि जैविक खेती से उत्पादकता में काफी वृद्धि होगी और किसानों की आमदनी भी बढ़ेगी। जैविक खेती को प्रचारित करने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं केंद्रीय कृषि मंत्री और बिहार के पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री को इस काम के लिए बधाई देता हूं और एन0डी0डी0बी0 से यह अपेक्षा करता हूं कि यह संस्थान उत्कृष्ट कोटि का एवं आदर्श बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्णिया के लिए और अन्य काम भी किए गए हैं जिसकी चर्चा पहले की गई है। हम हर क्षेत्र का और समाज के हर तबके का विकास कर रहे हैं। यहां पशु विज्ञान विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है, मैं उनके प्रतिनिधि से कहना चाहता हूं कि आप एन0डी0डी0बी0 के साथ जुड़कर इसका सीधा एवं प्रत्यक्ष लाभ उठाइए। यहां के विशेषज्ञों का लाभ उठाइए और व्यावहारिक चीजों को अपने यहां के विद्यार्थियों को सिखाइए।

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री राधा मोहन सिंह, ऊर्जा मंत्री श्री विजेंद्र यादव, पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री श्री पशुपति कुमार पारस, लघु जल संसाधन एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री दिनेश चंद्र यादव, कला संस्कृति एवं युवा विभाग मंत्री श्री कृष्ण कुमार ऋषि, एन0डी0डी0बी0 के अध्यक्ष श्री दिलीप रथ, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग की प्रधान सचिव डॉ0 एन0 विजयलक्ष्मी ने भी सभा को संबोधित किया।

इस मौके पर पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग एवं राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के बीच इकरारनामे का हस्तांतरण किया गया। मुख्यमंत्री का स्वागत पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग की प्रधान सचिव डॉक्टर एन0 विजयलक्ष्मी ने पुष्प गुच्छ एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर किया। इस मौके पर सांसद श्री संतोष कुशवाहा, विधायक श्रीमती लेसी सिंह, विधायक श्रीमती बीमा भारती, विधायक श्री विजय खेमका, विधान पार्षद श्री संजीव कुमार सिंह, जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती कांति देवी, महापौर श्रीमती विभा कुमारी, कृषि उत्पादन आयुक्त श्री सुनील कुमार सिंह, भारत सरकार के संयुक्त सचिव श्री मिहिर कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चंद्रा,

अपर सचिव, पशुपालन श्रीमती मधुरानी ठाकुर, कम्फेड की एम0डी0 श्रीमती शिखा श्रीवास्तव, एन0डी0डी0बी0 के महाप्रबंधक श्री जे0एस0 गांधी, निदेशक पशुपालन श्री विनोद कुमार गुंजीयाल सहित जनप्रतिनिधिगण, वरीय पदाधिकारीगण, जीविका की दीदियॉ, किसान, पशुपालक एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

******